वृन्दावन आश्रय सदनों में आवासित महिलाओं के आय सृजन एवं स्वावलम्बी बनाने की दिशा में अभिनव प्रयास

आज के इस कार्यक्रम के लिए विशेष रूप से वृन्दावन आश्रय सदनों में निवासरत माताओ एवं महिलाओ को आमंत्रित किया गया है। विभाग की एक अनूठी एवं नवीन पहल से आपका परिचय कराना चाहॅूगीं जिसकी शुरूआत वृन्दावन से हुई है।

महिला कल्याण विभाग में वृन्दावन आश्रय सदनों में रहने वाली निराश्रित विधवा महिलाओं को जो मुख्यतया अपना समय कृष्ण भक्ति में व्यतीत करती है, उसी से जुडा एक रोजगार उनके लिए तलाशना एक बड़ी चुनौती थी। महिला कल्याण विभाग द्वारा मन्दिरों से निकलने वाले पुष्प अवशिष्ट, जो पर्यावरण एवं यमुना के जल को प्रदूषित करता था, को रिसाइकिल करके कुछ ऐसे उत्पादों की परियोजना लाने पर विचार किया गया, जिसमें इन माताओं की सक्रिय सहभागिता एवं रूचि हो।

वृन्दावन के मन्दिरों में भगवान को अर्पित पुष्प से गुलाल, इत्र, धूप, अगरबत्ती व हवन सामग्री आदि बनाने हेतु सरस एवं सुगन्ध विकास केन्द्र, कन्नौज जो कि भारत सरकार का उपक्रम है, के माध्यम से उक्त योजना प्रारम्भ की गयी है। इस कार्य हेतु राज्य सरकार द्वारा रूपए एक करोड़ सरसठ लाख की धनराशि स्वीकृत की गयी है। वृन्दावन के बांके बिहारी मन्दिर एवं इस्कॉन मन्दिर एवं अन्य मंन्दिरों से भगवान को अर्पित पुष्प एकत्रित कर होली के अवसर पर गुलाल तैयार कराकर माननीय मंत्रीगणों वं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को भेंट स्वरूप प्रदान किया गया है।

आज इस अवसर पर सरस एवं सुगन्ध केन्द्र द्वारा 100 माताओं को इस योजना हेतु प्रशिक्षित किए जाने का कार्यक्रम माननीय श्री राज्यपाल जी के आर्शिवाद के साथ शुभारम्भ किया जा रहा है। इन 100 माताओं को अगरबत्ती, धूप, इत्र, गुलाल, हवन सामाग्री आदि बनाने में तकनीकी दक्षता का प्रशिक्षण एफएफडीसी द्वारा प्रदान किया जायेगा।

हमें उम्मीद ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि वृन्दावन के आश्रय सदनों में रहने वाली उक्त माताएं अपने मूल धार्मिक भावनाओं के साथ ही स्वरोजगार से जुड़कर जीवनयापन करने में सफल होंगी।

———————